

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—इप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राप्तिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

र्सo 425]

नई जिल्ली, शुक्रवार, सिलम्बर 12, 1986/भाव 21, 1908

No. 425]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 12, 1986/BHADRA 21, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अरुग संकलक के रूप में रखा का सके।

Separate Paglig is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

स्थारथ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

अधिसूचना

मई विल्ली, 12 विसम्बर, 1986

सा.का. ति. 10 77(अ): — अीषिप्र श्रीर प्रसाधन रामग्री नियम, 1945 का और संशोधन करने के लिए कलिपय नियमों का निम्नलिखित प्राप्त, जिमे देखीय सरकार, श्रीष्रिय और प्रसाधन सामग्री अधिनियम. 1940 (1949 का 23) की धारा 12 और 33 द्वारा प्रवत्त शर्म शिनलों का प्रयोग करते हुंए श्रीष्रिय तकनीकी सलाहकार बोर्ड में परामर्थ करने के प्रथाल बनाना चाहती है, उनत धाराओं की अपेतानुमार ऐसे सभी ध्यमित में की जानकारी के लिए प्रकाणित किया जाता है, जिनके उनसे प्रशाहन होने की संभायना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि राम प्राप्त नियमों पर, उस सारिख से जब राजपल की प्रविचा िया है। उनकार प्रताहन नियमों पर, उस सारिख से जब राजपल की प्रविचा किए। विवालकार दिन की अविधा की समाप्ति के प्रवाहन विचार दिशा कुए। विवालकार दिन की अविधा की समाप्ति के प्रवाहन विचार दिशा कुए।

िन्द्रा ऐसे आजेपो या सुशायों ५४, जो उपयुक्त विनिर्विष्ट अपाधि की १ तथ्य पर या उससे पहले उन्न प्रारूप निपनों को बाबत िसी अर्थान के प्राप्त होने, निस्त्रीय सरकान जिवार करेगा।

प्रारूप नियम

- इन नियमों का संक्षित नाम भौपधि श्रीर प्रमायन सामग्री (भंगोधन) नियम, 1886 है।
 - 2. भीषधि भीर प्रमाजन सामग्री नियम, 1945 में,---
 - (यः) भाग 5 के णीर्षक के स्थान पर, निम्नतिश्विस शीर्षक रखा आएसा, अपित् — " "सरकारी निश्तेषक, तिरीक्षक, अनुकायन प्राधिकारी भीर नियंत्रक प्राधिकारी";
 - (च) नियम 49 के पण्यान् निम्नलिखित नियम अन्त.स्थापित किया जाएना, अनितः —

"४९-वा अनुवापन प्राधिकारी की अर्हताएं :

इस अधितियम थे अर्थात नियो राज्य गरकार हारा तियुक्त अनुआपन प्राधिकारी एउ ऐसा व्यक्ति होगा जो विधि द्वारा भारत में स्थापित किसी विश्वविद्यालय से आधुष्तितान या विशान (जिसमें रवारन शास्त्र एक मुख्य विषय के रूप में हो) या भेषण निजान या श्रीविधि निर्माण रसायन णास्त्र में स्नाक्त हैं और ित्तरे पान श्रीविधि के विभिन्नीण या जांव करने का या अधिनियम के उल्बन्धा को प्रवृत्त करने का कर से कम पांव वर्ष का अनुशय है"; और

- (ग) नियम 50 के स्पनियम 3 के गण्वात, विकासियित असी स्त्रापित किया भागगा, अपीत ---
- "(4) केन्द्रीय या नाज्य सरकार द्वारा नियुक्त नियवक प्राधिकारी एक ऐसा व्यक्ति होगा जो विधि द्वारा भारत म स्थापित किसी विश्व-विद्यालय से आयुर्विज्ञान या त्रिज्ञान (जिसमें रसायन गास्त्र एक म्ह्य बिषय के रूप में हो) या भेषज बिज्ञान या श्रीषध निर्माण, रमायन णास्त्र मै स्नातक हो स्रौर जिसके पास स्रोवधि के विनिर्माण या जांच करने का का अधिनियम के उपबन्धी को प्रबन्त कराते का कम से कम पांच वर्ष का अनुभव हो।"

[ब. 11014/3/83-डी एम एस एएड पी एक ए] एम वी मुझामणियन, संबक्त मन्तिव

टिप्पण: ---ग्रीषधि ग्रीर प्रसाधन सामग्री नियम: 1945, तारीख 1-5-79 तंत्र यथासंशोधित, स्वास्थ्य भीर परिवार कल्याण मंजालय (स्वास्थ्य विभाग) के प्रकाशन में अन्तर्विष्ट है जिसमें ग्रौषधि ग्रौर प्रसाधन सामग्री अधिनियम ग्रौर नियम भी है (पीडी जी एच एस-61)। तरपञ्चात् भारत के राजपत्न भाग 2, **अं**ड 3 (i) में प्रकाणित निम्नलिखित अधिसूचनाश्रों द्वारा संशोधन किया गवा, अर्थात् :--

- 1. सा.का.नि. 1241 नार्गमा 6-10-79
- 2. सा.का.नि. 1242 तारीख 6-10-79
- 3. सा.का.नि. 1243 नारीख 6-10-79
- सा.का.नि. 1281 नारीख 12-10-79
- मा.का.नि. 430 नारीख 19-4-80
- 6. सा.का.नि. 779 तारीख 26-7-80
- 7. सा.का.नि. 540 (अ) तारीख 22-9-80
- 8 सा.का.नि. 680(अ) नारीख 5-12-80
- 9. मा.का.नि. 681(अ) वार्गम ,5-12-80
- 10. सा.का.नि. 682(अ) नारीच 5-12-80
- 11. सा.का.नि. 27(अ) नारीम 17-1-81
- 12 सा.का.नि. 47×(अ) नारीख 6-x-x1
- 13 **सा.का**.नि. 62(अ) नारीख 15-2-82
- 14 सा.का.नि. 462(अ) तारीख 22-6-82
- 15 सा.का.नि. 510(अ) नारीख 26-7-82
- सा.का.नि. 13(अ) नारीख 7-1-83
- 17. सा.का.नि. 318(अ) नार्गम्ब 1-5-84
- 18. सा.का.नि. 331(अ) नारीख 8-5-84
- 19 सा.का.नि. ४५०(अ) तारीख ३०-५-५३
- 20 सा.का नि. 487(अ) नार्गम्ब 2-7-84
- 21. सा.का.नि. 89(अ) नारीख- 16-2-85
- 22 सा.का.नि. 788(अ) तार्राख 10-10-85
- 23. मा का नि , 17(अ) तारीक 7-1-86

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE SOTIFIC ATION

New Delhi the 12th September, 1986

G.S.R. 1077(E)—The following draft of certain rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, which the Central Government propose to make, after consultation with the Drugs Technical Advisory Board, in exercise of the powers conferted by sections 12 and 33 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), is hereby published as

The second secon required by the said sections for the information of all persons likely to be affected thereby and notice to hereby given that the sold draft rules will be taken into consideration after the expiry of a period of forty five days from the date on which the copies of the Official Gazette in which this notification is published are made available to the public.

> Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the aforesaid period will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

- 1. These rules may be called the Drugs and Cosmetics (Amendment) Rules, 1986.
 - 2. In the Drugs and Cosmetics Rules, 1945,—
 - (a) in part V, for the heading, the following heading shall be substituted, namely :-

"Government Analysts, Inspectors, Licensing Authorities and Controlling Authorities":

- (b) after rule 49. the following rule shall be inserted, namely :---
- "49-A Qualifications of a licensing authority:—

A licensing authority appointed by a State Government under the Act shall be a person who is a graduate in medicine or science (with Chemistry, as a principal subject) or Pharmacy or Pharmaceutical Chemistry, from an University established in India by law and has at least five year's experience in the manufacture or testing of drugs or enforcement of the provisions of the Act"; and

- (c) In rule 50, after sub-rule 3, the following sub-rule shall be inserted namely:-
- "(4) The controlling authority appointed by the Central or State Government shall be a person who is a graduate in medicine or science (with Chemistry as a principal subject) or Pharmacy or Pharmaceutical Chemistry from an University established in India by law and has at least five years experience in the manufacture or testing of drugs or enforcement of the provisions of the Act".

[No. X. 11014]3[83-DMS & PFA] S.V. SUBRAMANIYAN, Jt. Secy.

Note :- The Drugs and Cosmetics Rules, 1945, as amended upto 1-5-1979, is contained in the publication of the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) containing the Drugs and Cosmetics Act and the Rules (PDGHS-61). Subsequently the said rules have been amended by the following notifications published in Part II, Section 3(i) of the Gazette of India, namely :-

- 1. GSR 1241 dated 6-10-79.
- 2. GSR 1242 dated 6-10-79.
- 3. GSR 1243 dated 6-10-79.

- 4. GSR 1281 dated 12-10-79.
- 5. GSR 430 dated 19-4-80
- 6. GSR 779 dated 26-7-80.
- 7. GSR 540(E) dated 22-9-80
- 8. GSR 680(E) dated 5-12-80
- 9. GSR 681(E) dated 5-12-80.
- 10. GSR 682 (E) dated 5-12-80.
- 11. GSR 27(E) dated 17-1-81.
- 12. GSR 478(E) dated 6-8-81.
- 13. GSR 62(E) dated 15-2-82.

- 14. GSR 462(E) dated 22-6-82.
- 15. GSR 510(E) dated 26-7-82.
- 16. GSR 13(E) dated 7-1-83.
- 17. GSR 318(E) dated 1-5-74.
- 18. GSR 331(E) dated 8-5-84.
- 19. GSR 460(E) dated 20-6-84.
- 20. GSR 487(E) dated 2-7-84.
- 21. GSR 89(E) dated 16-2-85.
- 22. GSR 788(E) dated 10-10-85.
- 23. GSR 17(E) dated 7-1-86.